हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 14 फरवरी 2025

10 चलने लायक नहीं है भिवानी की सड़कें, हो रहे हैं हादसे

10 बोरी दौड़ प्रतियोगिता में गुंजन व तमन्ना प्रथम

H.D. Public School Birohar
English Medium Co-Educational Sr. Sec. School
SCHOLARSHIP cum ADMISSION TEST
Sunday 16th | 23rd February 2025
Nur. to 9th & 11th Class
All Streams
Science / Comm. / Humanities
Limited Seats
"प्रकाशमय भविष्य की तैयारी"
We Prepare For :
Foundation Classes (6th onwards)
NEET | JEE | NTSE | NDA | MNS
Contact No. : 8059923555, 8607128682

खबर संक्षेप

21 को मेगा सेवा शिविर का होगा आयोजन

भिवानी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश देशराज चालिया के मार्गदर्शन में गांव कुंगड स्थित वीर शहीद धर्मवीर राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 21 फरवरी को मेगा सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम कम सचिव पवन कुमार ने यह जानकारी दी है।

धोखाधड़ी से रुपये ऐंठने का आरोपित गिरफ्तार

चरखी दादरी। दो महीने में रकम तीन गुना करने का झांसा देकर रुपये एंठने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। गांव मिर्च निवासी सुनीता ने धोखाधड़ी के बारे में शिकायत दर्ज करवाई थी। आरोपित ने दो लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए थे। आरोपियों ने लालच देकर बाद में भी लाखों रुपये ऐंठ लिए थे। इसी मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपित हिसार जिले के गांव फ्रान्सी निवासी रोहताश को गिरफ्तार किया है तथा आरोपी से 10 हजार रुपये भी बरामद किए हैं।

बाइक चोरी के आरोपित को किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस सीआईए स्टाफ -2 ने बजरंगबली कॉलोनी से मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में आरोपी को भिवानी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। नरेश निवासी बजरंगबली कॉलोनी भिवानी ने थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को बाइक चोरी होने की शिकायत दर्ज करवाई थी। इसी अभियोग में प्रभावी कार्रवाई करते हुए सीआईए स्टाफ - 2 भिवानी के मुख्य सिपाही ओम प्रकाश ने चोरी के इस मामले में आरोपी को तोशाम बाईपास जेल चौक भिवानी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपित की पहचान शुभम निवासी हनुमान ढाणी गली नंबर- 1 भिवानी के रूप में हुई है।

चोरी मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस थाना बवानी खेड़ा पुलिस ने बवानी खेड़ा में गुरुद्वारा का गुल्लक तोड़कर रुपये चोरी करने के मामले में आरोपी को बवानी खेड़ा से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। राजेंद्र निवासी बवानी खेड़ा ने गुरुद्वारे में चोरी का मामला दर्ज करवाया था 12 फरवरी को अभियोग में प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना बवानी खेड़ा के मुख्य सिपाही सुनील कुमार ने आरोपी को बवानी खेड़ा से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान कुलदीप निवासी जाटू लोहारी के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी से 3,050 रुपए बरामद किए गए हैं।

सोलर पैनल लगवाकर बिजली खर्च कम करें

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में आयोजित बैठक में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग की पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। अंत्योदय एवं अन्य कैटेगरी के परिवारों से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए आगे आना चाहिए। उपायुक्त ने पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा करते हुए बताया कि इस योजना के तहत मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है।

सरकारी के साथ निजी अस्पतालों में बढ़ी 40 फीसदी ओपीडी

वायरल ने पसारे पैर, बुजुर्गों के साथ चपेट में आए छोटे बच्चे

एक बार वायरल की चपेट में आने के बाद कई दिनों तक लोगों की कमजोरी दूर नहीं हो पा रही है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। अस्पताल में वायरल से पीड़ित बच्चे की जांच करती चिकित्सक और अस्पताल की ओपीडी विभाग में पहुंचे पीड़ित। फोटो : हरिभूमि

मौसम ने ऐसी करवट बदली कि लोगों को बीमारी ने जकड़ना शुरू कर दिया। हालात ये बने है कि बुजुर्गों के साथ-साथ छोटे बच्चे व जवान भी वायरल की चपेट से नहीं बचे है। वायरल के पैर पसारने से सरकारी के अलावा निजी अस्पतालों में वायरल से पीड़ितो की संख्या में बेहतासा बढौतरी हुई है। फिलहाल सरकारी ही नहीं निजी अस्पतालों में 60 फीसदी से ज्यादा ओपीडी बढ़ गई है। एक बार वायरल की चपेट में आने के बाद कई दिनों तक लोगों की कमजोरी दूर नहीं हो पा रही है।

फरवरी माह में अधिकत्तम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने व रात का पारा कम रहने की वजह से अनेक तरह की बीमारी फैलने लगी है। दिन में तेज गर्मी तथा रात को मिठ्ठी ठंड की वजह से वायरल ने पैर पसारने आरंभ कर दिया है चूंकि दिन में गर्मी होने की वजह से लोग ज्यादा कपड़े नहीं पहनते। शाम व रात होते ही ठंड शुरू हो जाती है। उसका ज्यादा अहसास नहीं होता। ऐसे में जब इस तरह का मौसम होता है तो ठंड अपना रंग दिखाना आरंभ कर देती है। वायरल के फैलने से हर घर का कोई न कोई व्यवक्ति वायरल से पीड़ित है। अगर एक बार किसी घर का सदस्य इसकी चपेट में आ जाता है तो घर के अन्य सदस्यों को भी चपेट में ल रहा है। हालात ये बने है कि अब सरकारी ही नहीं निजी अस्पतालों की ओपीडी वायरल से पीड़ितों से भरी है। फिलहाल वायरल के प्रकोप की वजह से अस्पतालों की ओपीडी में 40 से 45 फीसदी तक पीड़ितों की संख्या में इजाफा हुआ है। हालांकि अस्पतालों में वायरल से निपटने की सारी सुविधाएं है,लेकिन उसके बावजूद भी वायरल से लोगों को अच्छी खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों को बदले मौसम में सावधानी बरतनी चाहिए।

पहले जुकाम फिर बुखार की चपेट में

वायरल की चपेट में आने के बाद सबसे पहले व्यक्ति को जुकाम होता है। उसके बाद हलकी खांसी तथा गले में खरास बनता है। अगर उसके बाद व्यक्ति वायरल को हलके में लेता है तो उसको तेज बुखार आने लगता है। कई बार तो व्यक्ति के पांव व घुटनों में भी दर्द होने लगता है। बुजुर्ग व युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। इनके अलावा सबसे ज्यादा छह माह या एक साल तक के बच्चे को ज्यादा वायरल अपनी चपेट में ले रहा है। बच्चों में खासी जुकाम के साथ तेज बुखार भी आ रहा है। कई बार तो बुखार 106 डिग्री फारनेहाइट तक पहुंच जाता है। ऐसे में बच्चे अचेत भी होने लगते है। उसके बाद भी लापरवाही बरती गई तो बच्चे को साथ में न्यूमोनिया भी अपनी जकड़न में ले रहा है। जो कि सबसे खतरनाक साबित हो रहा है।

बच्चों में निमोनिया की शिकायत

डा. राज मेहता ने बताया कि वायरल का ज्यादा प्रकोप बच्चों में ज्यादा देखने को मिल रहा है। बुखार के साथ साथ बच्चों में निमोनिया की भी शिकायत आ रही है। वायरल की वजह से बच्चे को ज्यादा तेज बुखार होता है और उसके बाद वह अचेत सा भी होने लगता है। ऐसे में अभिभावकों को चिकित्सकों की सलाह जरूर लेनी चाहिए। साथ ही इलाज के साथ बच्चे, बुजुर्ग व इससे पीड़ित व्यक्ति को आराम करना चाहिए। दवाओं के साथ आराम करना निहायत जरूरी है। आराम से भी वायरल से जल्दी छुटकारा मिल जाता है। उन्होंने बताया कि अगर किसी घर में कोई व्यक्ति या बच्चा वायरल से पीड़ित है तो तत्काल इलाज करवाएं तथा अन्य लोगों से दूर रखें। हो सके तो पीड़ित अपने मुंह पर मास्क जरूर लगाए। ताकि इसको फैलने से रोका जा सके।

बवानीखेड़ा। नामाकंन के इंतजार में अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

दूसरे दिन नहीं आया नामांकन पत्र दाखिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

- नगर पालिका बवानीखेड़ा चुनाव के लिए नामांकन पत्र प्रक्रिया 17 तक चलेगी
- 19 को दोपहर बाद चुनाव चिह्न अलॉट किए जाएंगे

नगर पालिका चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी कम उपमंडल अधिकारी (नागरिक) भिवानी महेश कुमार ने बताया कि वीरवार को नामांकन पत्र प्रक्रिया के दूसरे दिन भी कोई व्यक्ति चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए नही आया। रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि हरियाणा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार नगर पालिका बवानीखेड़ा चुनाव के लिए नामांकन पत्र प्रक्रिया 17 फरवरी तक चलेगी। तहसीलदार कार्यालय के कोर्ट रूम में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए सक्षम हैं।

रिटर्निंग अधिकारी कम एसडीएम महेश कुमार ने कहा कि हरियाणा चुनाव आयोग द्वारा नगर पालिका बवानी खेड़ा में आम चुनाव-2025 के अध्यक्ष तथा सभी 16 वार्डो के नगर पालिका पार्षदो के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी की गई है। इन सबके चुनाव के लिए मतदान 02 मार्च को प्रातः 08:00 से सायं 06:00 तक होंगे। उन्होंने आगे बताया कि चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवार 16 फरवरी अवकाश के दिनों को छोड़कर 17 फरवरी तक प्रातः 11:00 बजे से दोपहर बाद 3:00 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं।

एसडीएम ने बताया कि 18 फरवरी को प्रातः 11:30 बजे से नामांकन पत्रों की छंटनी होगी। वहीं 19 फरवरी को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर बाद 3:00 बजे तक नाम वापिस लिए जा सकते हैं। इसके बाद 19 फरवरी को दोपहर बाद 3:00 बजे चुनाव चिन्ह अलॉट किए जाएंगे। इसके तुरंत बाद इसी दिन चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी।

नपा कार्यालय में सीएम फ्लाइंग की रेड, कर्मचारियों में हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। नगरपालिका कार्यालय में रिकार्ड की जांच करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका कार्यालय में वीरवार सुबह 9 बजे जैसे ही सीएम फ्लाइंग ने एंट्री की कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। सीएम फ्लाइंग ने सबसे पहले कर्मचारियों का हाजिरी रजिस्टर चेक किया। और इस बारे में कर्मचारियों से पूछताछ की उन्होंने सीएम फ्लाइंग को बताया कि चुनाव के चलते कई कर्मचारियों की ड्यूटी तहसील कार्यालय में लगाई गई है और सभी कर्मचारी उप मंडल अधिकारी के मौजूदगी में तहसील कार्यालय में उपस्थित हैं। जानकारी अनुसार सीएम फ्लाइंग का नेतृत्व निरीक्षक राजवीर सिंह, उमेदपाल, सुनील कुमार, प्रवीण व मनमोहन सिंह सहित अधिकारियों की टीम ने नगर पालिका कार्यालय में पहुंचे। वहां भी लगभग 2 घंटे तक रहे जिसमें उन्होंने कस्बे से उठाया जा रहे डोर टू डोर कूड़ा कचरा से इरिगेशन तथा कचरा निस्तारण के लिए लगाए गए वाहनों के बारे में तथा प्रोसेशन वेस्ट मटेरियल वी कचरा उठाने के लिए लगाए गए ट्रैक्टरों की कागजों की अच्छी तरह जांच की। उन्होंने मौके पर ही कस्बे की सफाई व्यवस्था तथा डोर टू डोर कूड़ा-कचरा उठाने के ठेकेदार सत्यवान सिंह को भी बुलाया तथा उससे भी बातचीत की। वही टीम ने सुंदर-ब्रांच स्थित कूड़ा कचरा निस्तारण स्थान व वाहनों की भी जांच की। जानकारी देते हुए निरीक्षक राजवीर सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रहे हैं स्वच्छ भारत अभियान के तहत हो रहे कचरा निस्तारण वी इनके लिए लगाए गए साधनों तथा ट्रैक्टरों की भी अच्छी तरह से जांच की जा रही है उन्होंने बताया कि कुछ कर्मचारी निकाय चुनाव के चलते तहसील कार्यालय में कार्य कर रहे हैं।

दुबई में नौकरी व वर्क वीजा दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी के आरोपी को किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा भिवानी ने दुबई में नौकरी लगवाने के नाम पर 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गांव बीरन जिला भिवानी निवासी एक युवक ने थाना शहर पुलिस को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बतलाया कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता व उसके अन्य 03 साथियों को दुबई में नौकरी दिलवाने व वीजा लगवाने के नाम पर कुल 10 लाख 10,000 रुपए लिए थे, लेकिन आरोपियों के द्वारा न तो उनका वीजा लगवाया गया और न ही दुबई में नौकरी दिलाई गई। इसके बदले में आरोपियों ने उन्हें कुछ दिन के लिए टूरिस्ट वीजा पर दुबई भेजा था और शिकायतकर्ता के द्वारा पैसे वापस मांगने पर आरोपियों के द्वारा पैसे वापस नहीं किए गए थे जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना शहर भिवानी में दर्ज किया था। दिनांक 12.02.2025 को अभियोग में प्रभावी कार्रवाई करते हुए आर्थिक अपराध शाखा भिवानी के उप निरीक्षक प्रवीण कुमार ने दुबई में नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान संदीप कुमार पुत्र सूरज निवासी सेक्टर - 31 फरीदाबाद के रूप में हुई है।

- पुलिस टीम ने आरोपी को दो दिन के रिमांड पर लिया
- आरोपित ने लिए थे 10 लाख 10,000 रुपये

बेहतर प्रशासन व समग्र विकास के लिए आवश्यक है नपा चुनाव : नरवाल

भिवानी। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल ने कहा कि पालिका चुनाव जनता पर सीधे तौर पर प्रभाव डालते है। ये चुनाव एक मजबूत लोकतंत्र, बेहतर प्रशासन व समग्र विकास के लिए आवश्यक होते है। ऐसे में बवानीखेड़ा के लोगों को चाहिए कि वे आगामी नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को ही चुने, ताकि भाजपा के भ्रष्टाचार व तानाशाही पर पीछा छुड़वाने का बिगुल फूंका जा सकें। प्रदीप नरवाल संत शिरोमणि गुरू रविदास जयंती पर कस्बा के गांव बवानीखेड़ा, सैय, चांग, तिगड़ान, प्रेमनगर, जमालपुर, बोहल, किरावड़ सहित आदि गांवों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रमों के दौरान उन्होंने संत शिरोमणि गुरू रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज व राष्ट्र उत्थान में योगदान देने का आह्वान किया। इस दौरान नरवाल ने बवानीखेड़ा में आयोजित फुटबाल खेल प्रतियोगिताओं की प्रथम सुनाम पंजाब व द्वितीय बड़सी की टीम को सम्मानित भी किया। कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल ने कहा कि संत गुरू रविदास के भक्ति गीतों व छंदों ने भक्ति आंदोलन पर स्थायी प्रभाव डाला। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास पहले लोगों में से एक थे, जिन्होंने तर्क दिया कि सभी भारतीयों के पास बुनियादी मानवाधिकारों का एक समूह होना चाहिए वे भक्ति आंदोलन में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बन गए और उन्होंने आध्यात्मिकता की शिक्षा दी।

- संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों में पहुंचे कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव

समस्या बरसाती पानी की निकासी के लिए बनाए गए नालों पर अवैध कब्जा

बावड़ी गेट व दादरी गेट ढाणा रोड पर बनी सीवरेज ब्लॉकेज की समस्या, क्षेत्रवासियों ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। समस्या के विरोध में नारेबाजी करते हुए।

- सीवरेज ब्लॉकेज के कारण सड़क पर जमा रहता है गंदा पानी, स्वच्छता पर लग रहा प्रश्नचिह्न : क्षेत्रवासी

बावड़ी गेट व दादरी गेट ढाणा रोड पर पिछले काफी दिनों सीवरेज ब्लॉकेज की समस्या बनी हुई है। हालांकि बीते रोज जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा बावड़ी गेट पर सीवरेज की सफाई करवाई गई थी, लेकिन इसके बाद भी क्षेत्रवासियों को सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या से निजात नहीं मिली। जिसके चलते वीरवार को क्षेत्रवासियों ने बावड़ी गेट पर रोष जताया तथा विभाग से इस समस्या से निजात दिलाने की मांग की।

इस बारे में क्षेत्रवासी भगवानदास कालिया, अनिल पेंटर, अनिल डाबला, रोशन, जसवंत डाबला, रोशन, बसंत, फौजी सैनी, कैरिया, सूरज, सूरज डीजे, पिंटू डीजे, दिलबाग, अंजू, रोशन टेलर, पवन, सन्नी, रामा डाबला सहित अन्य ने बताया कि बावड़ी गेट व ढाणा रोड़ पर गली नंबर-एक से गली नंबर 10 तक पिछले काफी दिनों से सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है, जिसके चलते यहां पर हमेशा सीवरेज का गंदा पानी जमा रहता है तथा राहगीरों को सीवरेज के गंदे पानी से ही होकर गुजरना पड़ता है। उन्होंने बताया कि यहां पर अनेक दुकानें भी है तथा सीवरेज का पानी जमा रहने का असर उनकी दुकानदारी पर भी पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि यहां पर सीवरेज ओवरफ्लो व गंदा पानी जमा रहने का मुख्य कारण कुछ लोगों द्वारा बरसाती पानी की निकासी के लिए बनाए गए नालों पर अवैध कब्जा करना है। जिसकी शिकायत भी कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को की जा चुकी है, लेकिन अधिकारियों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। जिसके खामियाजा नागरिकों को परेशानी के रूप में भुगतना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने कहा कि बावड़ी गेट पर सीवरेज का गंदा पानी जमा रहने के कारण एक तरफ जहां शहर की स्वच्छता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है।

बवानीखेड़ा पटवारी को दो दिन में इंतकाल दर्ज करने के निर्देश दिए

भिवानी। समाधान शिविर में समस्याएं सुनते हुए।

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने इंतकाल के एक मामले में संबंधित पटवारी को सख्त हिदायतें जारी की है। उपायुक्त आज लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में आयोजित समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे थे। समाधान शिविर में बवानीखेड़ा निवासी सरोज देवी पत्नी जगदीश चंद्र ने शिकायत की कि संबंधित पटवारी उसकी जमीन का इंतकाल दर्ज नहीं कर रहा है। इस पर उपायुक्त ने मौके पर ही बवानीखेड़ा पटवारी को फोन कर दो दिन में इंतकाल दर्ज करने के सख्त निर्देश दिए और कहा कि अगर कार्य पूरा नहीं किया तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने पटवारी को निर्देश दिए कि इंतकाल दर्ज करने के बाद इसकी पालना रिपोर्ट उनके कार्यालय में भेजी जाए। उपायुक्त ने डीआरओ व तहसीलदार को भी कहा कि वे सभी पटवारियों को निर्देश दे कि इंतकाल निर्धारित समयावधि में दर्ज करें ताकि लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। उपायुक्त महावीर कौशिक वीरवार को उन्होंने कहा कि अधिकारी समाधान शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लें।

टेक्नो-नॉलेज / शिखर चंद जैन

हर बच्चे को गेम्स खेलने में मजा आता है। कितना अच्छा हो, अगर स्कूल के क्लासरूम में भी पढ़ाई के बजाय कोई गेम खेलने को कहा जाए और इसी के साथ-साथ खेल में स्टडी-लर्निंग भी हो जाए। सोचकर देखो, कितना मजा आएगा! ऐसा हो सकता है, 'गेमिफिकेशन' के जरिए। जानो, गेमिफिकेशन के बारे में।

गेमिफिकेशन खेल-खेल में स्टडी

बच्चों, कितना मजा आए, अगर तुम्हें क्लास में किताबें खोलकर लेसन पढ़ने या टीचर का लेक्चर सुनने की बजाय पजल सॉल्व करने, कोड, डिकोड करने और गेम खेलकर कोई टारगेट अचीव करने का टास्क दिया जाए। तुम सोच रहे होगे, यह कैसे संभव है, यह तो कोरी कल्पना है। भला स्कूल में गेम कैसे खेल सकते हैं? ऐसा हुआ तो सिलेबस कैसे कंप्लीट होगा? डोंट वरी बच्चों, अब लर्निंग और टीचिंग का नया कॉन्सेप्ट आ चुका है- गेमिफिकेशन। इससे करिकुलम में गेम एलिमेंट डालकर क्लासरूम को इंटरेस्टिंग और एक्साइटिंग बनाया जा रहा है। बच्चों, जानो इस बारे में।

क्या है गेमिफिकेशन

एजुकेशन फील्ड में गेमिफिकेशन एक बहुत बड़ा कदम है। शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने मिलकर इसके माध्यम से बच्चों में क्रिएटिविटी बूस्ट करने, उन्हें मोटिवेट करने और सीखने के लिए प्रेरित करने वाला काम किया है। बच्चों, गेमिफिकेशन को किसी वीडियो गेम की तरह डिजाइन किया गया है। इसमें तुम बड़े ही मजेदार ढंग से खेल-खेल में नई और ज्ञानवर्धक बातें सीख सकते हो।

कैसे प्रचलन में आया गेमिफिकेशन टर्म

ब्रिटिश कंप्यूटर प्रोग्रामर और आविष्कारक निक पेलिंग ने 2002 में 'गेमिफिकेशन' शब्द गढ़ा था। उस समय वे कमर्शियल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के लिए गेम जैसे इंटरफेस तैयार कर रहे थे। साल 2010 में इस शब्द को व्यापक रूप से अपनाया गया। पेलिंग ने उद्योग, व्यापार और शिक्षा के लिए उपकरण के रूप में इन-गेम मैकेनिक्स की क्षमता और व्यावहारिकता को देखा। जैसे-जैसे 'गेमिफिकेशन' लोकप्रिय होता गया, इसके अनेक उपयोगों को रेखांकित करने वाले आर्टिकल्स पब्लिश होने लगे। इसके बाद इसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनाया जाने लगा।

इंटरेस्टिंग लर्निंग प्रोसेस

गेमिफिकेशन के माध्यम से लर्निंग का प्रोसेस इतना इंटरेस्टिंग होता है कि तुम इसमें पूरी तरह इन्वॉल्व हो जाओगे। हर स्टेप को कंप्लीट करने के बाद जब तुम्हें रिवॉर्ड्स और प्वॉइंट्स मिलेंगे, तो तुममें सीखने का नया जोश आएगा। गेमिफिकेशन के माध्यम से साइंस, मैथ्स जैसे कठिन विषयों को तुम आसानी से समझ सकोगे।

आएगा होमवर्क करने में भी मजा

अकसर बच्चों को होमवर्क करना बोरिंग लगता है। लेकिन गेमिफिकेशन के माध्यम से होमवर्क भी इंटरेस्टिंग लगने लगता है। स्कूल से मिला हुआ टास्क तुम्हारे लिए एडवेंचरस गेम बन जाता है। गेमिफिकेशन के दौरान अगर तुम कोई स्टेज चूक जाते हो या किसी प्रॉब्लम को सॉल्व नहीं कर पाते, तो तुम्हें अपनी गलती के बारे में बताया जाता है। आगे अपना टास्क कंप्लीट करने के लिए गाइड भी किया जाता है। यह कंप्लीट प्रोसेस बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक होता है।

डेवलप होते हैं ये स्किल्स

गेमिफिकेशन के अंतर्गत क्लासरूम या घर में टास्क या पजल्स सॉल्व करते समय या फिर कोड को डिकोड करते समय तुम्हें दिमाग पर जोर डालना पड़ता है। इससे तुम्हें क्रिटिकल और शार्प थिंकिंग की ट्रेनिंग मिलती है। दोस्तों के साथ गेम खेलते हुए सीखना तुम्हारे मन में कॉम्पिटिशन का भाव जगाता है। इससे तुम्हें जीतने की प्रेरणा मिलती है। गेमिफिकेशन के अंतर्गत कुछ गेम्स, तुम्हें खेलने का तरीका चुनने की आजादी देते हैं। इससे तुम अपने तरीके से गेम खेल सकते हो और सीख सकते हो। गेमिफिकेशन में तुम्हें जीतने के कई प्रयास करने की छूट मिलती है, इसे तुम तब तक खेल सकते हो, जब तक कि जीत न जाओ। इसमें जीतने के बाद तुम्हारा कॉन्फिडेंस बूस्ट होता है। *

गेमिफिकेशन के पांच फायदे

बच्चों, गेमिफिकेशन के मुख्य रूप से पांच फायदे हैं। इनके बारे में भी तुम्हें जानना चाहिए-

सेल्फ असेसमेंट: गेमिफिकेशन के जरिए तुम्हें अपनी प्रोग्रेस पर नजर रखने में मदद मिलती है। किसी कारणवश अगर तुम इसे बीच में डिस्कंटीन्यू भी कर देते हो, तो दोबारा लॉग इन करने से तुम्हारा टास्क या गेम वहीं से शुरू हो जाता है, जहां तुमने इसे छोड़ा था।

इंटर एक्टिविटी: गेमिफिकेशन के दौरान स्टूडेंट्स आपस में डिस्कशन करते हैं। साथ ही पार्टिसिपेंट्स सिस्टम के साथ भी संवाद कर सकते हैं और दी गई जानकारी का उपयोग टारगेट अचीव करने में कर सकते हैं।

इमर्शन: आजकल 3 डी गेमिंग काफी पॉपुलर है। इस गेम को खेलने वाला कंटेस्टेंट या स्टूडेंट पूरी तरह से गेम में डूब जाता है, और खुद को एक अलग ही दुनिया में पाता है, जहां सिर्फ एंटरटेनमेंट और लर्निंग का ही माहौल होता है।

कॉम्पिटिशन: गेमिफिकेशन से परस्पर कॉम्पिटिशन की भावना जागृत होती है। जब कोई कंटेस्टेंट ज्यादा रिवॉर्ड और बैज हासिल करता है, तो अन्य कंटेस्टेंट्स के मन में भी कड़ी मेहनत करने की इच्छा होती है।

फोकस: गेमिफिकेशन एक इंटरेस्टिंग एक्टिविटी है। इसमें तुम बोर नहीं होते और न ही तुम्हारा ध्यान इधर-उधर भटकता है। इससे तुम्हारा कंसंट्रेशन लेवल बढ़ता है।

इंटरेस्टिंग इंफॉर्मेशन / नयनतारा

बच्चों, एक समय तक समुद्र या नदी की गहराइयों में इंसान का जाना आसान नहीं होता था। लेकिन एक्वालंग के आविष्कार के बाद पानी की गइराई में जाना आसान हो गया। जानो, क्या होता है एक्वालंग? इसका आविष्कार कब, किसने किया और यह कैसे काम करता है?

एक्वालंग से आसान हुई अंडर वाटर एक्टिविटी

बच्चों, इंसान हमेशा से ही पानी के भीतर की दुनिया के बारे में जानने को जिज्ञासु रहा है। लेकिन कुछ दशक पहले तक पानी के भीतर जाना आसान नहीं होता था। पानी के भीतर घटता-बढ़ता दबाव एक बड़ी समस्या थी। पानी के अंदर मूवमेंट करना भी बहुत मुश्किल था। इन सबसे भी बड़ी समस्या यह थी कि पानी के अंदर सांस लेने के लिए हवा कैसे मिले? इस समस्या से निपटने के लिए एक्वालंग का आविष्कार किया गया। इस आविष्कार के बाद पानी के भीतर जाना काफी आसान हो गया। एक्वालंग का आविष्कार कैप्टन जैक-य्वेस कौस्तेयू और एमिले गैगनन ने 1943 में किया था। एक्वालंग की वजह से अंडरवाटर वर्ल्ड के सारे रहस्य खुल गए।

पहले ऐसे होती थी अंडर-वाटर एक्टिविटी: बच्चों, एक्वालंग के आविष्कार से पहले भी लोग अंडर वाटर एक्टिविटीज करते थे। लेकिन ऐसा करना बहुत ही मुश्किल होता था। तब एयर सप्लाई के साथ कुछ प्रशिक्षित व्यक्ति ही डाइव करते थे, वह भी जटिल, वजनी डीप-सी सुइट्स और हेल्मेट्स के साथ। इनमें हाई-प्रेशर एयर लाइंस होती थीं, जो सतह से जुड़ी होती थीं। इतने सारे जटिल इक्विपमेंट्स के साथ डाइविंग बहुत मुश्किल होता था।

क्या होता है एक्वालंग: एक्वालंग एक ऐसा इक्विपमेंट है, जो पानी के अंदर की गतिविधियों को आसान बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह पहले इस्तेमाल किए जा रहे भारी-भरकम इक्विपमेंट की तुलना में कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल होता है। जिससे अंडर वाटर एक्टिविटीज में इसका इस्तेमाल करना काफी आसान है।

कैसे काम करता है एक्वालंग: डाइविंग से पहले, डाइवर्स की कमर पर एक हाई-प्रेशर सिलिंडर स्ट्रैप कर दिया जाता है, जिससे उन्हें नियमित एयर सप्लाई मिलती रहती है। एयर सिलिंडर से डिमांड रेग्युलेटर जुड़ा होता है, जो सांस लेने वाली हवा को उसी प्रेशर का कर देता है, जो आस-पास के पानी का प्रेशर होता है। इसे एडजस्ट करने के लिए वॉल्व नहीं होते हैं। डाइवर को सिर्फ सांस लेनी होती है। गहराई चाहे जितनी हो एक्वालंग से एकदम सही प्रेशर मिलता है। इससे सांस लेना उतना ही ऑटोमेटिक और नेचुरल हो जाता है, जितना कि जमीन पर होता है।

एक्वालंग के आविष्कार के बाद स्कूबा डाइविंग तेजी से पूरी दुनिया में पॉपुलर हो गई और डाइविंग को आसान बनाने के लिए एक्वालंग के अलावा कई अन्य उपकरण भी बनाए जाने लगे। *

तुम्हारे लिए नई किताब

सबक सिखाती ईरानी कहानियां

बच्चों, जैसे तुमको अपने दादा-दादी, नाना-नानी से प्यारी-प्यारी कहानियां सुनना या स्टोरी बुक्स से कहानियां पढ़ना अच्छा लगता है, वैसे ही दुनिया भर के अन्य देशों के बच्चे भी बड़े चाव से कहानियां पढ़ते-सुनते हैं। कुछ समय पहले ही एक नई किताब 'ईरानी बच्चों की कहानियां' छपकर आई है। इसमें तुम ईरान देश में रहने वाले बच्चों के बीच लोकप्रिय चौदह कहानियों का हिंदी अनुवाद पढ़ सकते हो। इन कहानियों में तुमको अपने जैसे नटखट, समझदार बच्चों समेत बकरी, डॉगी, डंकी, हाथी, भेड़िए आदि की कहानियां भी पढ़ने को मिलेंगी। 'बकरी का बच्चा' एक बहादुर लेकिन नासमझ बकरी के बच्चे की कहानी है, जिसे मुसीबत में फंसने पर अपनी गलती का अहसास होता है। 'आजादी' कहानी में गुलाम रहने की तकलीफ और आजादी से अपना जीवन जीने की महत्ता को एक जंगली डॉगी की कहानी के जरिए बताया गया है। इसी तरह 'चोर और संत' कहानी बताती है कि जो लोग सज्जन होते हैं, मुसीबत में उनकी मदद को सभी तैयार रहते हैं। 'किस्सा घड़ी की सुई का', 'हवा और पतंग', 'सींग की तलाश' कहानियां भी तुम्हें अच्छी लगेंगी। इस किताब की सभी कहानियां तुम्हारा मनोरंजन तो करेंगी ही, तुम्हें जरूरी सबक भी सिखाएंगी। इनको पढ़ते हुए तुम्हें लगेगा जैसे तुम अपने देश में प्रचलित 'पंचतंत्र' या 'हितोपदेश' की कहानियां पढ़ रहे हो। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे किसी भी देश के क्यों न हों, सब एक जैसे ही होते हैं। सब बच्चों को पढ़ाई करना, खेलना, हंसना और कहानियां पढ़ना पसंद होता है। *

-विज्ञान भूषण

किताब: ईरानी बच्चों की कहानियां, **अनुवादक:** राजेश सरकार, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

सबको बांटो प्यार

बच्चों ने वैलेंटाइन-डे के मौके पर जब बाजार में एक अलग ही रौनक का माहौल देखा तो उन्होंने भी तय किया कि वे भी कुछ अलग ढंग से वैलेंटाइन-डे सेलिब्रेट करेंगे। इस मौके पर बच्चों ने जिस तरह, जिन लोगों के बीच जाकर प्यार बांटा, वह सचमुच बहुत अनोखा था।

कहानी
अलका जैन 'आराधना'

इधर कई दिनों से रोहन, सान्वी, आयुष और मिष्टी स्कूल से लौटते समय बाजार में जगह-जगह दुकानों पर दिल के आकार के गुब्बारे और रेड पैक में गिफ्ट आइटम्स सजे देख रहे थे। सान्वी उत्सुकता से बोली, 'हर जगह इस तरह दिल-दिल के आकार में रेड आइटम्स दुकानों में क्यों सजे हैं? क्या कोई फेस्टिवल आने वाला है?'

आयुष हंसते हुए बोला, 'हां, बड़ा फेस्टिवल आ रहा है- वैलेंटाइन-डे।'

रोहन कुछ गंभीर स्वर में बोला, 'फेस्टिवल तो सब अच्छे होते हैं। दिवाली पर दिये जलाते हैं, होली पर रंग खेलते हैं। लेकिन वैलेंटाइन-डे तो बच्चे नहीं मनाते हैं। यह तो बड़े मनाते हैं। हमारा वैलेंटाइन-डे से कोई लेना-देना नहीं है।'

मिष्टी गोल-गोल आंखें घुमाती हुई बोली, 'क्यों नहीं लेना-देना है? हम बच्चे भी अपने ढंग से वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं। हमारे आस-पास बहुत से ऐसे लोग हैं, जिनसे हम प्यार पाते हैं या हम उन्हें प्यार देते हैं। हम इनके साथ वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं। इन्हें गुलाब का फूल और कोई गिफ्ट दे सकते हैं।' चारों बच्चों ने एक-दूसरे की तरफ देखा और उत्साह से भर उठे। सान्वी खुश होकर बोली, '...तो इस बार हम भी वैलेंटाइन-डे अपने तरीके से मनाएंगे!'

आयुष हां में हां मिलाते हुए बोला, 'हां, हम ऐसे ही एक यादगार वैलेंटाइन-डे मनाएंगे, जो सबको पसंद आए।'

रोहन ने पूछा, 'लेकिन हम करेंगे क्या...'

मिष्टी ने कुछ सोचा और उछल कर बोली, 'सुनो! हम उन लोगों के लिए कुछ करेंगे, जो हर दिन हमारे लिए मेहनत करते हैं, जैसे- दूध और अखबार वाले अंकल, कॉलोनी के गार्ड अंकल और हमारे घर में काम करने वाली मेड।' सान्वी झट से बोली, 'हम अपने दादा-दादी, नाना-नानी को भी इस अवसर पर न भूलें, वे हमें कितना प्यार करते हैं, हमारा ख्याल रखते हैं। इनको भी गुलाब का फूल देकर थैंक्स बोलेंगे। साथ ही हम पास के ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी के पास भी जाएंगे, ये लोग हमेशा हमें हंसाते हैं।' आयुष चहक कर बोला, 'तो तय रहा! हम वैलेंटाइन-डे पर इनके पास जाएंगे, इन्हें गुलाब का फूल देंगे, इनके लिए कुछ और भी खास करेंगे।'

अगले दिन चारों अपने-अपने गुल्लक लेकर मिष्टी के घर पहुंचे। सभी बहुत उत्साहित थे। रोहन गुल्लक रखते हुए बोला, 'यह रहा मेरा खजाना। पिछले साल से जमा कर रहा हूं।'

सान्वी बोली, 'मेरा गुल्लक चॉकलेट के पैसों का है।' आयुष ने खिलखिला कर हंसते हुए कहा, '...और ये मेरा आइसक्रीम फंड है।' मिष्टी बोली, '...और मेरी गुल्लक में दिवाली-होली के ईनाम के पैसे हैं। चलो, गिनती शुरू करें।'

सभी ने गुल्लक में जमा किए सिक्के और नोट गिनने शुरू किए। इन्हें गिनने के बाद सब एक साथ बोले, 'अरे वाह...! इतने में तो हम बहुत अच्छे से अपना काम कर सकते हैं। वैसे भी हम यह काम अपने मम्मी-पापा की परमिशन से ही कर रहे हैं। वे भी बहुत खुश हैं, हमारे इस शानदार आइडिया के बारे में जानकर। उन्होंने भी अपनी तरफ से कंट्रीब्यूट करने का वादा किया है।'

अगले दिन सभी बच्चे बाजार गए। बाजार सजावट और रौनक से भरा हुआ था। रोहन एक मग उठाते हुए बोला, 'यह दूध वाले अंकल के लिए। इस पर लिखा है, 'बेस्ट मॉर्निंग फ्रेंड।' आयुष पेन सेट दिखाते हुए बोला, 'अखबार वाले अंकल के लिए।'

सान्वी एक सुंदर स्टोल उठाते हुए बोली, 'यह कामवाली बाई के लिए। वह हमेशा कहती हैं, सादगी में ही खूबसूरती है।'

मिष्टी एक टॉर्च उठाते हुए बोली, 'गार्ड अंकल के लिए... वह रातभर ड्यूटी करते हैं, ताकि हमारे घर सेफ रहें।'

इसके अलावा बच्चों ने ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी के लिए गर्म शॉल खरीदा। सबसे बाद में बच्चों ने ढेर सारे गुलाब के फूल भी खरीदे।

वैलेंटाइन-डे की सुबह बच्चे गिफ्ट और गुलाब के फूल लेकर सबके घर गए। सबने उन्हें धन्यवाद दिया और बहुत खुश हुए, क्योंकि उनके बारे में लोग ज्यादा कुछ सोचते नहीं हैं।

शाम को बच्चे ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी को गिफ्ट देने पहुंचे। मिष्टी और दूसरे बच्चों ने दादाजी-दादीजी के पांव छूकर कहा, 'दादाजी, दादीजी, यह आपके लिए और साथ में हमारे हाथ से बना यह कार्ड। बच्चों ने दादाजी-दादीजी के साथ केक काटा और सबने मिलकर खूब मस्ती की।'

घर लौटते हुए चारों बच्चे बहुत खुश थे। उन्होंने सबके साथ प्यार बांटकर वैलेंटाइन-डे जो अनोखे तरीके से मनाया था। *

कविता
फहीम अहमद

डाकिया अंकल

अहा, डाकिया अंकल आए
लेकर चिट्ठी और किताब।।
घर-घर में चिट्ठी पहुंचाना
है अंकल का प्यारा पेशा।
ले आते पापा की खातिर,
जब-तब खुशी भरा संदेशा।
पढ़ते ही पापा का मुखड़ा
लगता जैसे खिला गुलाब।।
कंधे पर लटकाए थैला,
चेहरे पर मुस्कान अनूठी।
सर्दी, गर्मी हो या बारिश
नहीं भूलते अपनी ड्यूटी।
दरवाजे पर दस्तक देकर,
करते राम-राम, आदाब।।
गली, मुहल्ले के हर घर से,
उनकी है पहचान पुरानी।
थैले में भर ले आते हैं,
हर दिन कोई नई कहानी।
खूब दुआएं पाते हैं वे,
जिसका कोई नहीं हिसाब।।

जीके क्विज-141

1. अभी हाल ही में घोषित दिल्ली विधान सभा चुनाव परिणामों में किस राजनीतिक दल को बहुमत प्राप्त हुआ है?
2. किस क्रिकेट खिलाड़ी ने पिछले दिनों अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 600 विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया?
3. अमेरिका के बाद किस देश ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अलग होने की घोषणा की है?
4. सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?
5. महावीर स्वामी का मूल नाम क्या था?
6. स्वतंत्र भारत के प्रथम कृषि मंत्री कौन थे?
7. कौन-सा रंग रेनबो के बीच में दिखाई देता है?
8. जीवाणु (बैक्टीरिया) की खोज किसने की थी?
9. कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
10. 'लोकनायक' के नाम से किसे जाना जाता है?

बच्चों, जीके क्विज-140 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-140 का उत्तर : 1.उत्तर प्रदेश, 2.डिब्रूगढ़, 3.लद्दाख और जम्मू कश्मीर, 4.निर्मला सीतारमण, 5.ऑस्मियम, 6.वुलर झील, 7.किडनी, 8.स्कॉटलैंड, 9.मैलिक एसिड, 10.ग्रीनलैंड

जीके क्विज-140 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, श्वेता-बिलासपुर, रमेश-कोरबा, ज्योति-रायगढ़, गुंजा-रायपुर, शुभम-बलौदा बाजार, खुशबू-दुर्ग, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, काम्या-महासमुंद

अंतर बताओ

बच्चों, यहां एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। लेकिन इनमें सात अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

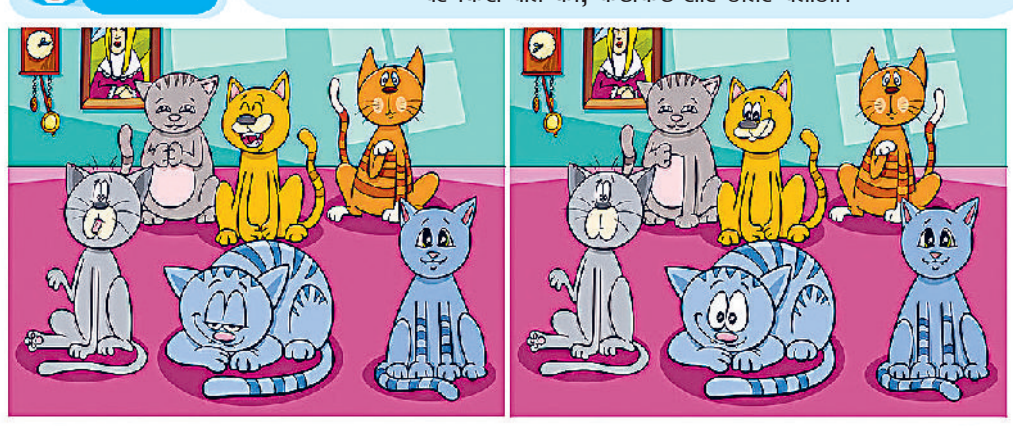

उत्तर: 1.दीवार पर लगी क्लॉक में अलग टाइम शो हो रहा है। 2.पीछे बाईं तरफ बैठी बिल्ली के दोनों अगले पंजे आपस में जुड़े हुए नहीं हैं। 3.पीछे बीच में बैठी बिल्ली हंस नहीं रही है। 4.पीछे दाईं तरफ बैठी बिल्ली की पूंछ दूसरी तरफ दिख रही है। 5.आगे बाईं तरफ बैठी बिल्ली की जीभ अंदर है। 6.बीच में लेटी हुई बिल्ली की दोनों आंखें खुली हुई हैं। 7.आगे दाईं तरफ बैठी बिल्ली के बाएं पैर में कम धारियां हैं।

एक जैसे दो चित्र ढूंढ़ो

बच्चों, यहां कई बच्चों के चित्र दिए गए हैं। इनमें से दो चित्र बिल्कुल एक जैसे हैं। बाकी चित्रों में कोई-न-कोई अंतर जरूर है। तुम एक जैसे दिखने वाले दो चित्रों को पहचान कर, उसको पेंसिल से गोलाकार घेर दो।

खबर संक्षेप

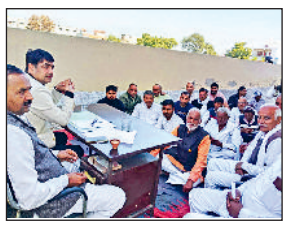

सिलेंडर 500 रुपये में लेने के लिए करवाएं रजिस्ट्रेशन

कनीना। हरियाणा सरकार की ओ से आमजन के लिए जारी की गई जनकल्याणकारी योजनाओं के सही तरीके से क्रियान्वयन को लेकर समय समय पर फीडबैक लिया जा रहा है। वहीं पात्र परिवारों को अत्यधिक लाभ मिले, इसके लिए शिविर लगाकर आमजन को जागरूक भी किया जा रहा है। सरकारी योजनाओं को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ओर से समय समय पर मॉनिटरिंग भी की जा रही है। इसी कड़ी में वीरवार को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निरीक्षक ध्यान सिंह व उप निरीक्षक राजेश कुमार ने कनीना में आयोजित बैठक में डिपो धारकों से बीपीएल परिवारों को जानकारी देकर 500 रुपये में घरेलू सिलेंडर उपलब्ध कराने के लिए जल्द से जल्द ऑनलाइन पंजीकरण करवाने को कहा।

गहने लौटाकर पेश की ईमानदारी की मिसाल

सतनाली मंडी। खंड के गांव श्यामपुरा के बिनोद श्यामपरिया ने रिपेरिंग के आई लोहे की अलमारी में रखे सोने चांदी के गहने मालिक को सकुशल लौटाकर ईमानदारी की मिसाल पेश की है। बिनोद श्यामपुरिया ने बताया कि वे लोहे की अलमारी आदि बनाते व रिपेयरिंग करते हैं। उनकी ट्रंक फैक्ट्री में लोहे की अलमारी रिपेयरिंग होने के लिए आई थी। जब अलमारी को खोला तो उसके लॉकर में सोने के गहने रखे थे। उन्होंने अलमारी के मालिक जयपाल के अलावा अनेक गणमान्य लोगों व पुलिस को मौके पर बुलाया। पुलिस की उपस्थित में अलमारी में रखे सोने व चांदी के गहने आदि अन्य सामान को उसके मालिक जसपाल को सौंप दिया।

नीलगायों को मारने की अनुमति देने वाला नियम रद करने की मांग, सीएम को पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पीपल फॉर अरावली समूह ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एक ज्ञापन भेजा है। जिसमें इस साल फरवरी की शुरूआत में हुई कैबिनेट बैठक में अनुमोदित नए हरियाणा वन्यजीव (संरक्षण) नियमों के तहत नर नीलगायों को मारने की अनुमति देने के सरकार के फैसले पर दुख व्यक्त किया। पत्र लिखा है कि इन जानवरों के किसानों के खेतों में घुसने व फसलों को नष्ट करने की समस्या को हल करने के लिए नीलगायों को गोली मारना न तो नैतिक और न ही स्थायी समाधान है। कई ग्रामीण लोग व किसान हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों से हमारे समूह का हिस्सा हैं और पिछले कुछ दिनों में टीम ने जिन अन्य लोगों से परामर्श किया है, उन्होंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला है कि नीलगायों से अधिक आवारा मवेशी कृषि फसलों के लिए एक गंभीर खतरा हैं। सरकार से नर नीलगायों को मारने की अनुमति देने वाले नियम को रद्द करने और संरक्षणवादियों, पारिस्थितिकीविदों, सेवानिवृत्त वनवासियों, वन्यजीव विशेषज्ञों, किसान समूहों और अन्य ग्रामीण हितधारकों के साथ परामर्श के बाद राज्य में मानव पशु संघर्ष से निपटने के लिए एक उचित प्रबंधन योजना लागू करने का आग्रह करते हैं। नीलम अहलूवालिया संस्थापक सदस्य पीपल फॉर अरावली ने कहा कि 21 जुलाई 2022 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सार्वजनिक ट्रस्ट सिद्धांत, एहतियाती सिद्धांत, सतत विकास और संवैधानिक दायित्व के तहत एक ट्रस्टी होने के नाते राज्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने के लिए बाध्य है। सुप्रीम कोर्ट के कई अन्य फैसलों में देश के वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा पर जोर दिया गया है। हम नहीं जानते कि राजनीतिक नेता शीर्ष अदालत के आदेशों की अनदेखी कैसे कर सकते हैं। नीलगाय हरियाणा के प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का एक अभिन्न अंग हैं, जो जैव विविधता में योगदान देते हैं और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं। कानूनी तौर पर उन्हें मारने की इजाजत देना न केवल इस नाजुक पारिस्थितिक संतुलन को बाधित करता है।

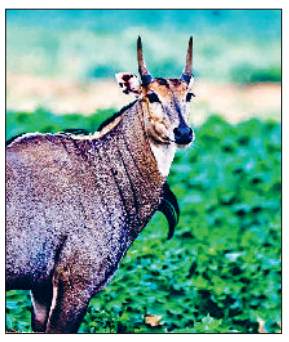

- नीलगायों से फसलों को गंभीर खतरा

नीलगायों को कर सकते हैं स्थानांतरित

सेवानिवृत्त वन संरक्षक साउथ सर्कल हरियाणा आरपी बलवान ने कहा कि यदि हरियाणा में किसी विशेष क्षेत्र में नीलगायों की अधिक आबादी है, तो इन जानवरों को हरियाणा या राजस्थान के नजदीकी रिजर्व में अन्य समान आवासों में स्थानांतरित किया जा सकता है। जहां नीलगायों की आबादी कम है और पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने के लिए उनके प्राकृतिक शिकारी मौजूद हैं। हरियाणा के गांवों में जहां बणी अभी भी मौजूद हैं, उन्हें कानूनी तौर पर सामुदायिक रिजर्व के रूप में स्वीकृत किया जाना चाहिए और नीलगायों व अन्य वन्यजीवों के लिए आश्रय के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। रोहतक के वन्यजीव शोधकर्ता राकेश अहलावत ने कहा कि नीलगायों व अन्य जानवरों और आवारा मवेशियों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया जाता है, तो किसानों को बीमा योजनाओं के माध्यम से समर्थन दिया जाना चाहिए और फसल के नुकसान के लिए समय पर मुआवजा दिया जाना चाहिए।

राज्य की नैतिक जिम्मेदारी

जिले के किसान अजय यादव ने कहा ने कहा कि टीम ने हरियाणा के विभिन्न जिलों में ग्रामीण हितधारकों से बात की, तो उन्होंने सुझाव दिया कि गांव के कुछ लोगों को गार्ड के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। जिन्हें नीलगायों, आवारा मवेशियों और अन्य जानवरों को डराने के लिए तेज आवाज करने वाला गांवों में पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला गैर बुलेट उपकरण गंधक पोटाश रखना चाहिए। ग्रामीण लोगों को फसलों के रक्षक के रूप में उपयोग करने की इस गतिविधि को रक्षकों को भुगतान की सुविधा के लिए मनरेगा के तहत लाया जा सकता है। तन्नुजा चौहान सदस्य पीपल फॉर अरावली व पीपुल फॉर अरावली के युवा अधिवक्ता विश्वास तंवर ने कहा कि प्रदेश की समृद्ध वन्यजीव विरासत की रक्षा करना राज्य की नैतिक जिम्मेदारी है। भारतीय संविधान के आर्टिकल 48। के अनुसार राज्य को पर्यावरण की रक्षा व सुधार करना चाहिए।

राहगीरों व महिलाओं को उठानी पड़ रही परेशानी

स्वच्छता अभियान के बाद भी अटेली के पुराने अड्डे पर नहीं बना शौचालय

- कस्बे के बाजार का केंद्र है पुराना बस अड्डा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

प्रदेश भर में स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देने के लिए घरों, कस्बों, गांवों व सार्वजनिक स्थानों पर शौचालय बनाने पर सरकार प्रोत्साहन राशि प्रदान करती है, लेकिन अटेली कस्बे के पुराने अड्डे पर किसी प्रकार का शौचालय नहीं होने के कारण राहगीरों व आसपास के दुकानदारों को शौच आदि के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सबसे ज्यादा परेशानी तो महिलाओं व लड़कियों को उठानी पड़ती है। अटेली नगर पालिका ने जनवरी माह में पुराने अड्डे पर शौचालय बनाने का अपनी तरफ से सूचना जारी की थी, लेकिन योजना खटाई में पड़ गई।कस्बे के लोगों की लंबे समय से मांग व जरूरत है, लेकिन नगर पालिका अटेली गंभीर नहीं है। भाजपा नीति केंद्र सरकार ने दो अक्टूबर 2014 से स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की थी। इसके बाद भी अभियान जारी है। इसके तहत अटेली कस्बे में मोबाइल टायलेट भी खरीदे गए थे, लेकिन वो कुछ दिन बाद ही कंडम हो गए। भारत स्वच्छता अभियान के 10 साल बीत गए है। अटेली कस्बे में पुराने बस स्टैंड के समीप शौचालय की खास आवश्यकता है, लेकिन जरूरत के बात भी यहां शौचालय आदि नहीं बना है। इस कारण महिलाओं को शौच आदि के काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अटेली कस्बे का पुराना अड्डा मुख्य बाजार का सेंटर है। अटेली कस्बा उप तहसील, ब्लॉक, कॉलेज, आईटीआई, थाना, सीडीपीओ कार्यालय समेत अनेक बड़े बाजार है, लेकिन पुराने अड्डे पर शौचालय नहीं होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

क्या कहते हैं लोग

महेंद्र राता

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने बताया कि अटेली के पुराने बस स्टैंड पर एक सार्वजनिक शौचालय की जरूरत है। लोगों को मजबूरीवश खुले में जूस की दुकान के साथ पावर हाउस की तरफ शौच करना पड़ता है। शौच के लिए महिलाओं को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अगर प्रशासन पुराने अड्डे पर एक शौचालय बना दें तो इससे गंदगी दूर होने के साथ कस्बे में आने वाले लोगों व दुकानदारों को भी काफी राहत मिलेगी। पुराने अड्डे पर काफी संख्या में सवारियां बसें पकड़ती है। इसलिए लोगों का जमावड़ा रहता है।

छात्राओं को होती है परेशानी

महेंद्र गुप्ता खेड़ी।

महेंद्र गुप्ता खेड़ी ने बताया कि पुराने स्टैंड पर शौचालय नहीं होने के चलते विशेषकर महाविद्यालय में जाने वाली छात्राओं को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा राहगीरों को खुलने में शौच करना पड़ रहा है। हर रोज यहां खुले में शौच करने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। इससे गंदगी फैल रही है। खुले में शौच की मजबूरी महिलाओं के लिए बेहद शर्मनाक व असुरक्षित स्थिति पैदा कर रही है।

खुले में जाना पड़ता है शौच

संदीप जांगिड़

अटेली के वार्ड नंबर दो से युवा संदीप जांगिड़ ने बताया कि सरकार ने 10 साल से स्वच्छता अभियान चलाया हुआ है, लेकिन अटेली नपा के कर्मियों की ढिलाई से यह काम अटका हुआ है। अगर यहां शौचालय बनता है तो लोगों को राहत मिलेगी तथा स्वच्छता को बढ़ावा भी मिलेगा। शौचालय के अभाव में लोगों को खुले में शौच करना पड़ता है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हिंदी कविता प्रतियोगिता में प्रतिभा का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में बालवर्ग कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों के लिए हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों की सहभागिता सराहनीय रही। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी कविता एवं साहित्य के प्रति रूचि वर्धन करना है। विद्यार्थियों ने अपनी काव्य-शैली में कविता-गान किया। प्रतियोगिता में अवनी ने प्रथम अयान ने द्वितीय व यश ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि कविता का संबंध गान से है जो सभी नकारात्मक विचारों को हटाकर विद्यार्थियों की एकाग्र शक्ति को बढ़ाने का भी कार्य करता है। कविता भावनाओं को संप्रेषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि हिंदी हमारे स्वाभिमान की भाषा है, जिसमें रचित रचनाएं हमें एकता के सूत्र में पिरोती हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगिताओं में भी भाग लेना चाहिए जिससे मानसिक, तार्किक एवं बौद्धिक शक्ति का विकास हो सके। इस अवसर पर कर्णसिंह यादव, संगीता यादव, विजय सिंह यादव, आदि मौजूद रहे।

आरआरसीएम स्कूल के 22 विद्यार्थियों ने जेईई मेंस में किया क्वालीफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

आरआरसीएम स्कूल के छात्रों ने एक बार फिर सफलता का परचम लहराया है। जेईई मेंस के परिणाम घोषित होने के बाद स्कूल के 22 विद्यार्थियों ने क्वालीफाई कर शानदार उपलब्धि हासिल की है। जिनमें हीना पुत्री नरेश 96.75 प्रतिशत, नेहा पुत्री राजेंद्र 95.43, पारुल पुत्री विजय सिंह 94, तुषार पुत्र दिनेश 90, विवेक पुत्र अजीत सिंह 89, रचना पुत्री नवीन 88, अंकिता पुत्री सतबीर 85, जाहनवी पुत्री छोटेलाल 82, हार्दिक पुत्र रणधीर 81, शिवम पुत्र टिंकू 69, कीर्ति पुत्री संजय के साथ अपनी सफलता का परचम लहराया। प्राचार्य ने बताया कि छात्रों की इस उपलब्धि के पीछे उनके कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और स्कूल द्वारा दिए गए उच्च स्तरीय शैक्षणिक माहौल का बड़ा योगदान है। सफल छात्रों में कई ऐसे नाम शामिल हैं, जिन्होंने अत्यधिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद बेहतरीन प्रदर्शन किया और अपने सपनों की ओर एक कदम ओर बढ़ाया। चेयरमैन राव रोशनलाल ने कहा कि विद्यार्थियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षक और माता-पिता को दिया। छात्रों का कहना है कि स्कूल में मिले उचित मार्गदर्शन और लगातार अभ्यास ने हमारी तैयारी को मजबूत किया । यह सफलता स्कूल के उन प्रयासों को भी दर्शाती है, जो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए तैयार करने में सहायक हैं। स्कूल प्रशासन ने यह भी आश्वासन दिया कि वे भविष्य में भी छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षा व संसाधन प्रदान करते रहेंगे।

कनीना। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : : हरिभूमि

मॉडर्न स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने जेईई मेंस परिणाम में परचम लहराया

महेंद्रगढ़। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जेईई मेंस परीक्षा सत्र प्रथम का आयोजन करवाया गया था। इस परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। इस परीक्षा में मॉडर्न स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने उच्च स्कोर हासिल किया। विशाल पुत्र मुकेश कुमार ने 96.25 परसेंटाइल, योगिता पुत्री अनिल कुमार ने 95.60 परसेंटाइल तथा तन्वी पुत्री सुधीर कुमार ने 73.16 ने परसेंटाइल हासिल की। मॉडर्न स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने जेईई मेंस परीक्षा में उच्च स्कोर हासिल करने पर विद्यालय में खुशी का माहौल छा गया। जेईई मेंस परीक्षा में उच्च स्कोर प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संस्था निर्देशक राजकुमार यादव, हवासिंह यादव, प्रबंधन समिति के सदस्य मनोज कुमार, नवीन कुमार, संस्था प्राचार्य अनिल कुमार, वरिष्ठ अध्यापक राकेश कुमार, रामसिंह, वरिष्ठ अध्यापिका शकुंत शहरावत, रिंकू यादव, मंजू व समस्त स्टाफ सदस्यों ने विशेष पुरस्कार से पुरस्कृत किया। संस्था के निदेशक राजकुमार यादव ने बताया कि विद्यालय से हर बार जेईई मेंस, जेईई एडवांस, नीट, एनडीए, सैनिक स्कूल, नवोदय स्कूल आदि की प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थी उच्च स्कोर प्राप्त करके नामी संस्थानों में दाखिले प्राप्त करते हैं।

सूरज स्कूल का जेईई मेंस में बेहतरीन रहा परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से घोषित जेईई मेन्स की परीक्षा में सूरज स्कूल के विद्यार्थियों का परिणाम बेहतरीन रहा। स्कूल निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि इस परीक्षा परिणाम में सर्वाधिक इरफान ने 99.6, मानविक कुमार गुप्ता ने 99.55 व अतुल ने 99.4 परसेंटाइल अंक हासिल कर विद्यालय में क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में लक्की सिंह ने 99.09, आदित्य कुमार ने 98.99, तेजल ने 98.96, अविरल कुमार ने 98.9, निखिल शर्मा ने 98.73, निष्ठा ने 98.34, अक्षय शर्मा ने 98.33, खुशाग्र जैन ने 98.2, सोनाक्षी ने 98.2, मनीष कुमार सैनी ने 98.11, सोनम ने 97.56, अभिषेक ने 97.46, शिवांगी ने 97.33, तरूण कुमार ने 97.04, अंकुर ने 96.98, आयुषी तिवारी ने 96.97, प्रिंस शर्मा ने 96.5, गगनदीप ने 96.38, इशिका शर्मा ने 95.97, देव कुमार ने 95.41, शिव ने 95.39, गौरव जंघू ने 95.31, रुन्झन ने 95.24, अभिनव आर्य ने 95.01, खुशी ने 94.80, नंदिनी ने 94.28, शिनू राठी ने 94.02, छवि ने 93.4, आशीष पांडे ने 92.98 सहित अन्य बहुत से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने श्रेष्ठतम परसेंटाइल अंक हासिल कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया किया। सूरज स्कूल के होनहार विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा हासिल करके देश को विज्ञान व प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अपना अभूतपूर्व योगदान देकर देश को उन्नति एवं विकास के पथ पर अग्रसर करेंगें। निदेशक संदीप प्रसाद ने इस ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करने पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एल्बेंडाजोल की गोलियों का वितरण

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय में महिला अध्ययन एवं विकास प्रकोष्ठ तथा यूथ रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कृमि संक्रमण से मुक्त करना व उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार करना था। इसी उद्देश्य के तहत महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को एल्बेंडाजोल की गोलियां वितरित की गई। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने विद्यार्थियों को कृमि संक्रमण के दुष्प्रभावों और इससे बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कृमि संक्रमण से बच्चों और युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसे नियमित रूप से दवा सेवन कर रोका जा सकता है। महिला अध्ययन एवं विकास प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. पविता यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और पोषण का विशेष ध्यान रखकर कृमि संक्रमण को रोका जा सकता है।

कार्यक्रम हकेवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

नवीन अनुसंधान और नवाचारों में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान

सतत विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका महत्वपूर्ण : प्रो. राजीव आहूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी व खगोल भौतिकी विभाग की ओर से एडवांसमेंट्स इन मेटिरियल साइंस फोर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस) 2025 विषय पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को शुभारंभ हो गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा मुख्यातिथि तथा एनआईटी हमीरपुर के प्रो. रवि कुमार और दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. अमिता चंद्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने की। आयोजन में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संबद्ध 200 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यातिथि प्रो. राजीव आहूजा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में सुपरकंडक्टिव मेटेरियल की बिजली संचरण, मैगलेव ट्रेंस और ऊर्जा भंडारण के लिए उपयोग करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने भारत के नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत हाइड्रोजन वैली प्लेटफॉर्म और गति शक्ति भारत कार्यक्रम पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसके माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में भारत अग्रसर है। हकेवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी पर हर्ष व्यक्त करते हुए अंतर्विषयक अनुसंधान और अंतर राष्ट्रीय सहयोग के महत्त्व पर जोर दिया। कुलपति ने युवा शोधकतार्ओं से मेटेरियल साइंस में नवीन अनुसंधान और नवाचारों में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि कुमार ने पी-टाइप ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग और मेग्नेटिक ऑक्साइड मेटेरियल पर चर्चा की, जो ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक तथा चुंबकीय उपकरणों में उपयोगी हो सकते हैं। इसी क्रम में प्रो. अमिता चंद्रा ने ऊर्जा उपकरणों के लिए पी-टाइप पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट्स पर अपने अनुसंधान को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। सम्मेलन की संयोजक और भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने में आयोजन की भूमिका पर जोर दिया। आयोजन के सह-संयोजक और हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और विश्वविद्यालय की सतत विकास लक्ष्यों से जुड़े अनुसंधान को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराया। उद्घाटन सत्र के पश्चात दूसरे सत्र में एमआईटी, पोलैंड की डॉ. मार्टा एमडी, सीएसआईआर-एनपीएल, दिल्ली के डॉ. गोविंद गुप्ता, यूजीसी-डीएई सीएसआर, इंदौर के दिनेश कुमार शुक्ला, हकेवि के डॉ. अमित ने तकनीकी व्याख्यान दिए।

महेंद्रगढ़। मुख्यातिथि प्रो. राजीव आहूजा को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति।

देवयानी स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

महेंद्रगढ़। देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल का जेईई मेंस का रिजल्ट शानदार रहा। एनटीए की ओर से घोषित परीक्षा परिणाम में तनीष यादव ने 97.5 परसेंटाइल, अंजली राजपूत ने 95, प्रियंका यादव ने 93, मुस्कान चौधरी ने 92.38, विनीत यादव ने 92, ईशा चौधरी ने 91 परसेंटाइल के साथ बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्राचार्य बलवान सिंह ने बताया कि परीक्षा में बैठने वाले 10 विद्यार्थियों में अधिकांश ने 90 परसेंटाइल से ऊपर अंक लेकर आई आईटी एडवांस के लिए जगह बनाई। बच्चों ने यह उपलब्धियां सीबीएसई एग्जाम के साथ कक्षा कक्ष में रेगुलर पढ़ाई करते हुए की। सीनियर विंग हेड मनीष कुमार ने बताया कि बच्चों ने शुरू से ही इंटीग्रेट कोर्स के माध्यम से कंपटीशन की तैयारी करवाई जाती है, चेयरमैन सुनील कुमार ने बताया कि बच्चों की इस सफलता के पीछे माता-पिता, अध्यापक और बच्चों के निरंतर परिश्रम का योगदान है।

शादी के कार्ड बांटने जा रहा पिता घायल

नारनौल। स्कूल बस ड्राइवर ने कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार जयपुर का व्यक्ति घायल हो गया। व्यक्ति अपने बेटे की शादी के कार्ड बांटने जा रहा था। घायल को इलाज के लिए नांगल चौधरी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां गंभीर चोटों के चलते उसको रेफर कर दिया गया। नांगल चौधरी थाना पुलिस को दी शिकायत में राधा विहार कॉलोनी सिरसी रोड जयपुर निवासी गुलाबचंद शर्मा ने बताया कि वह मूल रूप से राजस्थान के बहरोड़ का रहने वाला है। बीत दिनों वह कार में सवार होकर अपने बेटे अश्विनी की शादी के कार्ड बांटने के लिए जयपुर से बहरोड की ओर जा रहा था। इस दौरान वह नेशनल हाईवे नंबर 148 बी की सर्विस रोड से होते हुए फ्लाईओवर के नीचे मुड़ा तो नांगल चौधरी की ओर से आ रही एक स्कूल बस के ड्राइवर ने उसकी कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसको उपचार के लिए नांगल चौधरी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां से उसको प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इस हादसे में उसका हाथ टूट गया। वहीं कई गंभीर चोट आई हैं। जिसके बाद परिजन उनको उपचार के लिए बहरोड़ लेकर गए। वहां से उसको जयपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

खबर संक्षेप

जागरूकता ही एचआईवी संक्रमण से बचाव: डीसी

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में एचआईवी से बचाव बारे समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि एचआईवी संक्रमण एक गंभीर बीमारी है। ये बीमारी संक्रमण से फैलती है। इसलिए जागरूकता ही एचआईवी संक्रमण से बचाव है।

बीआरसीएम शिक्षण संस्थाओं में महिला दिवस मनाया

भिवानी। बीआरसीएम शिक्षण संस्थान बहल के जीडीसी महाविद्यालय, एवं विधि महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष पर विधि महाविद्यालय के एमके चौधरी सभागृह में महिला प्रकोष्ठ द्वारा विविध विषयों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके मुख्य अतिथि, बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के प्रबंधक महोदय डॉ एस.के. सिन्हा द्वारा किया गया। विधि महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. शिम्पी गेरा द्वारा मुख्य अतिथि व वशिष्ठ अतिथियों का स्वागत किया गया। विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार शुक्ला ने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय महिला दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि जानी -मानी कवियत्री, स्वतंत्रता सेनानी और प्रतिभाशाली राष्ट्रीय नेता सरोजिनी नायडू का महिलाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है।

सीबीएलयू में कार्यशाला का किया गया आयोजन

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के स्वयं यूनिट द्वारा स्वयं मूक जागरूकता एवं कार्यान्वयन पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी ने ऑनलाइन की। उद्घाटन कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा, के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने डिजिटल लर्निंग और स्वयं प्लेटफॉर्म की महत्ता पर प्रकाश डाला। स्वयं और अन्य मूक प्लेटफॉर्म का प्रभावी कार्यान्वयन विश्वविद्यालय प्रणाली में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन किया। नॉर्थ इंडिया जूनियर पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में महाविद्यालय की छात्रा रचना ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में 300 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

100 मीटर दौड़ में स्वीटी रही सबसे आगे

बवानीखेड़ा। राजकीय महिला महाविद्यालय, बवानी खेड़ा में दशम वार्षिक खेल समारोह का आयोजन हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में बवानी खेड़ा विधायक कपूर वाल्मीकि ने गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। उद्घाटन के अवसर पर क्रीड़ा दलों द्वारा अनुशासनबद्ध सलामी अर्पित की गई, जिसके पश्चात विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 100 मीटर दौड़ में स्वीटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

समाधान शिविर में आएं नागरिक:एसडीएम

चरखी दादरी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर जिला में समाधान शिविर का में सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। शिविर के दौरान सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं व नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाता है। वीरवार को एसडीएम आशीष सांगवान और सीटीएम जितेन्द्र ने समाधान शिविर में शिकायतें सुनते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने समाधान प्रकोष्ठ की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य लोगों की शिकायत निवारण प्रक्रिया को व्यवस्थित करना है।

आधा फुट तक बने गड्ढे ,वाहन चालक परेशान

चलने लायक नहीं है भिवानी की सड़कें, हो रहे हैं हादसे

जगह जगह रोड़ियां बिखरने के चलते पैदल चलने वाले लोग भी यहां की बजाए दूसरे रास्तों से गुजर रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। सड़कों पर बने गड्ढों का दृश्य व सड़कों पर बिखरी रोड़ियां। *फोटो: हरिभूमि*

वैसे तो शहर की अधिकांश सड़कें बदहाल है,लेकिन आधा दर्जन इलाकों की सड़कों की हालत बेहद पतली है। इन सड़कों से वाहन चालक तो क्या पैदल लोग भी गुजरने से कतराने लगे है। इन सड़कों में अनेक जगहों पर गड्ढे बने है। कई जगहों पर सड़क पर रोडियां बिखरी हुई है। जिस वजह से वाहन चालक इन सड़कों से गुजरने से कतराने लगे है। जगह जगह रोडियां बिखरने के चलते पैदल चलने वाले लोग भी यहां की बजाए दूसरे रास्तों से गुजर रहे है। क्षेत्र के लोगों का तर्क है कि इस बारे में कई बार शिकायत की गई,लेकिन आज तक उनकी इन समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। दिनोद गेट इलाके की सड़क की हालत सबसे खस्ता बनी है। इस सड़क में अनेक जगहों पर गड्ढे बने है। कई जगहों पर तो आधा फुट तक गड्ढे बने है। अनेक जगहों पर रोड़ियां बिखरी हुई पड़ी है। जो कि पैदल चलने वाले लोगों के लिए राह में रोड़ा बनी हुई है। इन रोड़ियों से फिसलकर राहगीर गिर कर चौटिल हो रहे है। यही स्थिति वाहन चालकों की बनी है। गहरे गड्ढे होने की वजह से वाहन चालक इस तरह से वाहनों को लाने से कतराने लगे है।

हालात ये बने है कि इन गड्ढों में कई दोपहिया वाहन चालक गिरकर जख्मी भी हो चुके है। यही स्थित बासिया भवन से सचिवालय की तरफ जाने वाले मार्ग की बनी है। इस सड़क पर अनेक जगहों पर गड्ढे होने से हर वाहन चालक यहां को बजाए दूसरे रास्ते से निकलने की जुगत में है। क्योंकि यहां से गुजरने के दौरान कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त भी हो चुके है।

यही स्थिति सन सिटी सिनेमा हॉल के आगे से गुजरने वाली सड़क की बनी है। इस सड़क में कई जगहों पर आधा फुट गहरे तथा पांच से छह फुट दूरी तक के गड्ढे बने है। इन गड्ढों में सबसे ज्यादा दोपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हुए है। इनके अलावा श्री व्हीलर व फोरव्हीलर वाहन भी यहां से नहीं गुजर रहे है। अगर कोई वाहन चालक किसी कारणवश यहां पर अपना श्री या फोरव्हीलर ले भी आए तो उस वाहन को हिचकौले खाना लाजिमी है। कई बार वाहन दुर्घटनाग्रस्त भी हो चुके है।

> **!!**
> *क्षेत्र के लोगों ने बताया कि इस बारे में कई बार जिला प्रशासन को सूचना दी,लेकिन अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। यहां यह बताते चले कि बासिया भवन से लेकर सचिवालय तक के मार्ग से रोजाना रोडवेज व निजी बसें गुजरती है। इनके अलावा जिला प्रशासन का अमला भी इन्हीं मार्गों से गुजरता है। सड़कों की हालत खराब होने से लोग परेशान हो रहे है।*

नवीष नेहरा को मिली छात्रवृत्ति

- आरपीएस महेंद्रगढ़ स्कूल की छात्रवृत्ति परीक्षा में नवीष नेहरा ने पाया 8वां रैंक : डा. फूल सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। छात्रवृत्ति परीक्षा में नवीष नेहरा को आशीर्वाद देते नातिन नाना डा. फूल सिंह धनाना। *फोटो: हरिभूमि*

हाल ही में महेंद्रगढ़ स्थित आरपीएस स्कूल में प्रदेश स्तरीय सुपर-30 छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन करवाया गया था। इस परीक्षा में स्थानीय सेक्टर-13 स्थित नवीष नेहरा 8वां रैंक हासिल किया है। अब नवीष नेहरा महेंद्रगढ़ के आरपीएस स्कूल में कक्षा 11वीं व 12वीं तक छात्रवृत्ति के आधार पर शिक्षा ग्रहण करेगा। बच्चे की उपलब्धि से ना केवल परिजनों, बल्कि सैक्टरवासियों में खुशी का माहौल है। बता कि नवीष के पिता राजेश नेहरा गणित अध्यापक है तथा माता नीतू नेहरा हिंदी अध्यापिका है। इस मौके पर दि भिवानी रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान (आजीवन उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त) रामकिशन शर्मा एवं नवीष के नाना डा. फूल सिंह धनाना ने कहा कि नवीष एक होनहार बच्चा है, जिन्होंने हमेशा अपनी मेहनत के दम पर सफलता पाई है।

मामा ने किया प्रेरित

नवीष नेहरा ने बताया कि उन्हे इस उपलब्धि के लिए भाई डा. लक्ष्य नेहरा, दादा मा. मनोहर लाल नेहरा, मामा विकास धनाना ने प्रेरित किया। वही नवीष नेहरा की उपलब्धि पर रामदेव तायल, प्रधान धर्मबीर नेहरा, आईजी राजपाल सिंह, जगबीर डीएसपी बामला, प्रधान विजय पंचगांवा, प्रधान संदीप तंवर, सूर्या एमसी, प्रकाश ठेकेदार, रविंद्र बाबूजी, ठेकेदार सत्यवान, मैनेजर शिवकुमार चांग, राजू पंघाल डीलर, मैनेजर राज सिंह गोलागढ़ सहित अन्य गणमान्य लोगों ने बधाई दी।

भाजपा सरकार बनने के बाद अब दिल्ली में भी विकास कार्य पकड़ेंगे गति: सुरेश

बवानीखेड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में किए जा रहे अभूतपूर्व विकास कार्यों की बदौलत 27 वर्षों बाद दिल्ली में भारजीय जनता पार्टी की सरकार बनी। दिल्ली में भाजपा सरकार बनने की खुशी में वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश ओड ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर उन्हे बधाई दी। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश ओड ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से शिक्षा को लेकर अहम मुद्दों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के बाद अपने निवास पर पहुंचने पर सुरेश ओड ने कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासात्मक सोच पर मोहर लगाने का काम किया है।

हिसार दिल्ली व किसान एक्सप्रेस को भिवानी जंक्शन से चलाया जाए

भिवानी। भिवानी से दिल्ली के बीच चलने वाली 54424 हिसार से नई दिल्ली और 14732 किसान एक्सप्रेस भिवानी की लाइफ लाइन है। भिवानी से दिल्ली सफर करने वाले हजारों की संख्या में डेली पैसेंजर है। डेली पैसेंजर को स्टेशन से वापसी घर तक आने के लिए साइकिल या दुपहिया वाहन का उपयोग करते हैं। पिछले 28 जनवरी 2025 से इन दोनों ट्रेनों को भिवानी जंक्शन की बजाए भिवानी सिटी से चलाई जा रही हैं और इनके समय में भी बहुत बदलाव किया गया है। गाड़ी संख्या 54424 हिसार से नई दिल्ली का भिवानी सिटी से चलने का समय सुबह 6:15 बजे चलती है।

एकता पार्क में संयुक्त किसान मोर्चा ने किया महाराजा सुरजमल को नमन

भिवानी। संयुक्त किसान मोर्चा ने भरतपुर महाराजा सुरजमल की कीर्ति नगर स्थित एकता पार्क में 316वीं जयन्ती मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान नेता बलबीर सिंह बजाड़ ने की। किसान सभा के जिला उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश व युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने कहा कि भरतपुर रियासत के महाराजा सुरजमल धर्मनिरपेक्ष सोच के राजा थे, उन्होंने अपने राज्य में 36 बिरादरी के हितों के लिए काम किया तथा अनेक राजा महाराजाओं को अपनी रियासत के क्षेत्र में घुसने नहीं दिया, जिनमें मुगल शासक भी शामिल थे। उन्होंने अपनी रियासत की सुरक्षा के लिए अनेक राजाओं के साथ युद्ध किए, लेकिन उन्हें असफलता का मुंह नहीं देखा। महाराजा सूरजमल की वीरता, समझदारी, धैर्य, धर्म निरपेक्ष मूल्यों और जनता को साथ लेकर चलने, सभी का सम्मान करने की विरासत से हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

विद्यार्थियों ने किए अनुभव सांझा

- हलवासिया विद्या विहार में मनाया गया संकल्प दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए *फोटो: हरिभूमि*

हलवासिया विद्या विहार में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए संकल्प दिवस का आयोजन किया गया। विद्यालय की परंपरा के अनुसार दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। तत्पश्चात कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों द्वारा शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

छात्र हर्षित, चिराग एवं छात्रा नेहा ने अपने विज्ञान, कॉमर्स एवं ह्यूमैनिटीज संकाय के शिक्षकों एवं छात्रों के साथ बिताए गए अमूल्य अनुभवों को सांझा करते हुए विद्यालय प्रशासन एवं अपने अध्यापकों के प्रति आभार व्यक्त किया। छात्रा रिया सिंह द्वारा मनमोहक कविता के माध्यम से विद्यालय के अनुभवों को सांझा किया गया। कक्षा बारहवीं की छात्राओं द्वारा दीक्षांत समारोह के अवसर पर गाए जाने वाले विद्यालय का गीत ये विदा वेला नहीं संकल्प वेला है की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। छात्रा वैशाली, सकीना तथा कन्नू द्वारा गुजराती नृत्य प्रस्तुत किया गया। बारहवीं की छात्राओं द्वारा शानदार पंजाबी समूह नृत्य की प्रस्तुति दी गई। हर्षित, चिराग एवं रिया सिंह द्वारा प्रशासक, प्राचार्य, उप-प्राचार्या, विभाग प्रमुखों तथा शिक्षकों को कार्ड्स, टाइटल्स एवं सम्मान स्वरूप स्मृति चिह्न भेंट कर अपने उद्गार व्यक्त किए गए।

एक-दूसरे की मदद में विश्वास रखती थी स्व. धनकौर देवी : सर्राफ

भिवानी। पूर्व मंत्री एवं विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि स्व. धनकौर देवी एक सहनशील एवं समाजसेवी महिला थी। जो कि हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहती थी। उन्होंने कहा कि स्व. धनकौर देवी का मानना था कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए सक्षम व्यक्तियों को हाथ बढ़ाना चाहिए, तभी एक संतुलित समाज की स्थापना की जा सकती है तथा वे अपने इस कथन पर स्वयं भी अमल करती थे तथा जब भी मौका लगता था जरूरतमंद की सेवा व सहयोग के लिए तत्पर रहती थी। विधायक घनश्याम सर्राफ भाजपा नेता सुनील शास्त्री व आचार्य सुरेश शास्त्री की माता धनकौर देवी के निधन पर गांव पाथरवाली स्थित उनके निवास स्थान पर शोक जताने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि धनकौर देवी के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति पहुंची है।

कुलपति ने विजेताओं को दी बधाई

- कुलपति एवं कुलसचिव ने विजेताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। विजेताओं को सम्मानित करती कुलपति व कुलसचिव। *फोटो: हरिभूमि*

जीवन के इस सफर में जीत-हार लगी रहती है, जीत जहां खुशी देकर जाती है तो हार उसे एक नया सबक सिखाती है, लेकिन व्यक्ति की कभी हार न मानने की आदत ही उसे एक न एक दिन जरूर जीत दिलाती है, ये उदगार चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने प्रकट किए। प्रोफेसर दीप्ति प्रेमनगर स्थित विश्वविद्यालय प्रागण में 8 से 12 फरवरी तक ओम स्ट्रलिंग ग्लोबल युनिवर्सिटी हिसार में चले 38वें उत्तर पश्चिम क्षेत्रिय युवा महोत्सव में भाग लेकर लौटे विजेताओं एवं प्रतिभागियों से मिल रही थी। विवि की कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा व विश्विद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो सुरेश मालिक भी मौजूद रहे। प्रोफेसर धर्माणी ने कहा कि कई बार कुछ लोगों को थोड़े से प्रयास में ही जीत मिल जाती है तो वहीं कुछ लोगों को बहुत कोशिशों के बाद भी हार का सामना करना पड़ता है। व्यक्ति के जीवन में उसे हार मिले या जीत, उसे दोनों ही स्थिति में फायदा होता है। कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा ने कहा कि हार जीत जीवन का एक अभिन्न पहलू है, हमको इनसे हमेशा कुछ न कुछ सीखना चाहिए। युवा कल्याण विभाग की निदेशिका डॉ. सोनल शेखावत ने बताया कि हर बार की तरह विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक टीम ने बेजोड़ प्रदर्शन कर एलूकेशन में द्वितीय, स्किट में तीसरा, फोटोग्राफी में तीसरा, लोक नृत्य,नाटक, कोजलाज और रंगोली में चौथा व सोलो वेस्टर्न में पांचवा स्थान प्राप्त किया है।

रेडियो प्रसार का सबसे सशक्त माध्यम: सीजेएम

भिवानी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश देशराज चालिया के निर्देशानुसार तथा प्राधिकरण के सचिव कम सीजेएम पवन कुमार के मार्गदर्शन में पैनल अधिवक्ता अनुराधा खनगवाल ने रेडियो दिवस पर विस्तार से जानकारी दी। प्राधिकरण के सचिव कम सीजेएम पवन कुमार ने बताया कि विश्व रेडियो दिवस हर साल 13 फरवरी को मनाया जाता है, जो रेडियो के महत्त्व को बढ़ावा देने और इसके माध्यम से लोगों के जीवन में संचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करने का एक अवसर है। इस बार वर्ल्ड रेडियो डे 2025 की थीम-रेडियो और जलवायु परिवर्तन" है। रेडियो न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह सूचना के प्रसार का सबसे सशक्त माध्य है।

बोर्ड सचिव के सामने रखा मांगपत्र

- बोर्ड सचिव अजय चोपड़ा से मिला सलाह प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। शिक्षा बोर्ड के सचिव अजय चौपड़ा को मांगपत्र सौंपते सलाह के सदस्य।

स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा-सलाह का एक प्रतिनिधि मंडल वीरवार को हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव अजय चोपड़ा से मिला।

प्रतिनिधिमंडल ने सचिव के समक्ष शिक्षक वर्ग की शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की कई मांगों को रखा। ज्यादातर मांगों पर बोर्ड सचिव ने अन्य अधिकारियों से मंत्रणा करते हुए पूर्ण करने का आश्वान दिया। इसके अलावा सलाह प्रतिनिधिमंडल की मांग पर जीन्द के उप मंडल जुलाना व मेवात के तावडू में उत्तर पुस्तिका का अंकन केन्द्र बनाने की स्वीकृति प्रदान की। सलाह प्रतिनिधि मंडल की अगुवाई प्रदेशाध्यक्ष अशोक शर्मा व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष और समरवीर सिंह उप प्रधान ने की। समरवीर सिंह ने बताया कि शिक्षा बोर्ड के सचिव के समक्ष सलाह ने अपना मांग पत्र रखा। मांग पत्र में परीक्षा ड्यूटी व अंकन कार्य का मानदेय बढ़ाने, परीक्षा में नकल रोकने के लिए बोर्ड सचिव के विशेष उडऩदस्ते बनाने सहित सभी मांगो पर सहमति जताई। उन्होंने बताया क प्रतिनिधि मंडल में अनिल सैनी, अजय मालिक, अरूण दांगी, विवेक फौगाट, भूपेन्द्र सिंह मलिक, शिव कुमार गोयल, सुखदेव प्रसाद, डा.जोगेन्द्र सिंह ढुल, रविन्द्र कुमार, जोगेन्द्र सोनी व रमन रोहिल्ला आदि संगठन पदाधिकारी शामिल थे। सलाह द्वारा बोर्ड सचिव को दिया । किसी भी डीडीओ की परीक्षा व मार्किंग में ड्यूटी न लगाई जाएं। मुख्य केंद्र अधीक्षक पद पर केवल स्कूल प्रिंसिपल/मुख्याध्यापक की ही ड्यूटी सुनिश्चित की जाए।

महिलाएं अपनी प्रतिभा के दम पर हर क्षेत्र में कर रही बेहतर प्रदर्शन: सीजेएम

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के श्रीनिवास रामानुजन भवन के ऑडिटोरियम में कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश देशराज चालिया के निर्देशानुसार राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, जिसमें बतौर मुख्यतिथि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट पवन कुमार ने शिरकत की। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने कहा कि महिला अपनी खूबियों को छोड़े बिना अपने अंदर संवेदना, करुणा और मातृत्व का भाव बनाए रखे। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति पूर्णतया सजग रहें और इनका सदुपयोग करें। प्रत्येक सफल महिला के पीछे पुरुष का बड़ा योगदान होता है जो एक पिता, पति एवं भाई के रूप में हो सकता है।

पूर्व राज्यपाल सरोजिनी नायडू को किया याद

बोरी दौड़ प्रतियोगिता में गुंजन व तमन्ना प्रथम

- खेल प्रतियोगिताएं युवतियों व महिलाओं को स्वस्थ जीवन जीने के लिए करती है प्रेरित : पिंकू

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले को सम्मानित करते हुए।

राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जिला के गांव घुसकानी स्थित वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर सामाजिक अध्ययन अध्यापक मुकेश सांगवन पहुंचे। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता गणित अध्यापिका लक्ष्मी देवी ने की तथा मंच का संचालन शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने किया। मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार ने कहा कि देश की प्रथम महिला राज्यपाल सरोजिनयी नायडू की जयंती को हर वर्ष 13 फरवरी को राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी कड़ी में

सपनों को पूरा करने की मिलती है प्रेरणा: शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने कहा कि राष्ट्रीय महिला दिवस पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन महिलाओं के विकास एवं समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकारने का शानदार तरीका है। यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाकर, उन्हें आत्मनिर्भर और स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है। खेल प्रतियोगिताएं युवतियों को खेलों में भाग लेने।

बोरा दौड़ में गुजन प्रथम

लड़के व लड़कियों की बोरी दौड़ प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें लड़कियों में कक्षा छठी से गुंजन, खुशी व तनु ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्राप्त किया। कक्षा 7वीं से तमन्ना, अनुष्का व प्रिया ने क्रमश : प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया। 8वीं कक्षा में कविता, ज्योति, संजना ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल किया।